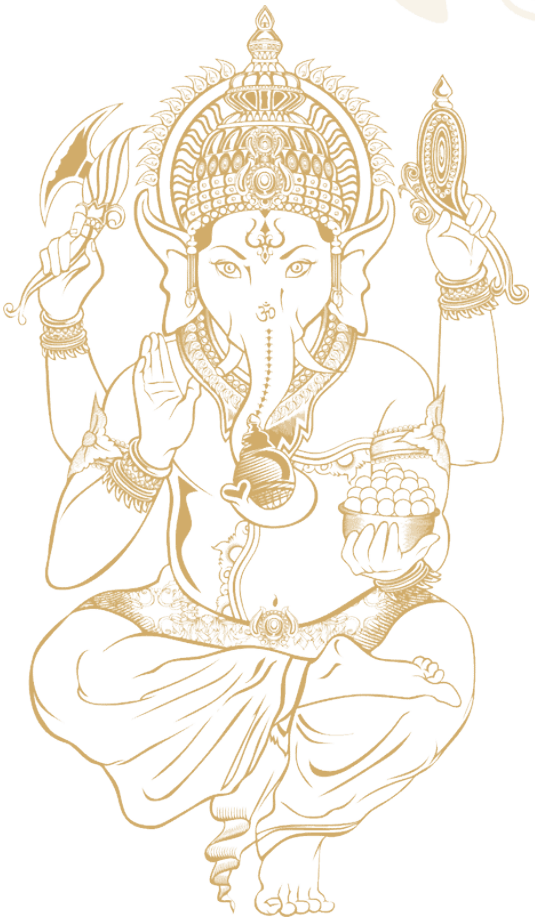

Mr. Abhinav

Ms. Rakshita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120457707

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/11/2001	जन्म तिथि	19/08/2005
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 00:25:00	जन्म समय	07:45:00 घंटे
घटी 44:40:09	जन्म समय(घटी)	04:15:05 घटी
India	देश	India
Bhawani Mandi	स्थान	Bhawani Mandi
24:25:00 उत्तर	अक्षांश	24:25:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:32:56	सूर्योदय	06:02:58
17:46:54	सूर्यास्त	18:57:06
23:52:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:05

विंशोत्तरी केतु 2वर्ष 1मा 7दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 0वर्ष 3मा 11दि
सूर्य	21:02:17	कर्क	लग्न	सिंह	24:20:59	राहु
चन्द्र	14:32:27	तुला	सूर्य	सिंह	02:16:29	29/11/2012
मंगल	09:19:32	मेष	चंद्र	मक	22:57:29	30/11/2030
राहु	08:55:04	मक	मंगल	मेष	17:42:14	
गुरु	26:18:49	कन्या	बुध	कर्क	15:20:39	राहु 13/08/2015
शनि	26:48:31	मिथु	गुरु	कन्या	22:14:23	गुरु 05/01/2018
बुध	26:24:19	कन्या	शुक्र	कन्या	08:23:45	शनि 11/11/2020
केतु	20:01:44	वृष व	शनि	कर्क	10:21:02	बुध 31/05/2023
शुक्र	04:20:07	मिथु व	राहु व	मीन	20:43:53	केतु 18/06/2024
	04:20:07	धनु व	केतु व	कन्या	20:43:53	शुक्र 19/06/2027
सूर्य 09/12/2023	27:01:56	मक	हर्ष व	कुंभ	15:21:46	सूर्य 12/05/2028
09/12/2029	12:10:05	मक	नेप व	मक	21:59:13	चन्द्र 11/11/2029
	19:53:41	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:56:37	मंगल 30/11/2030

लग्न-चलित

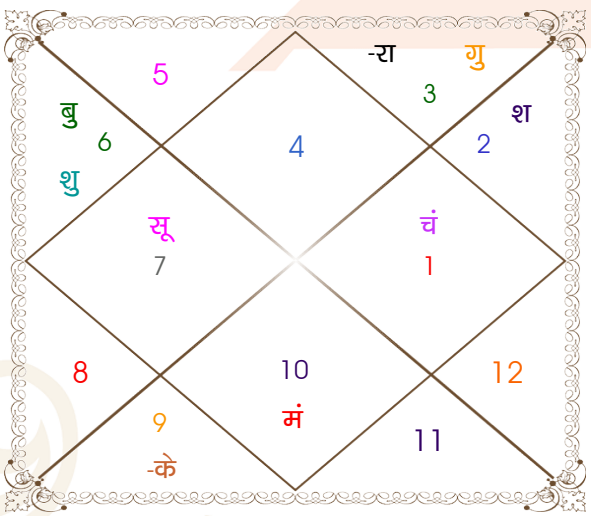

लग्न-चलित

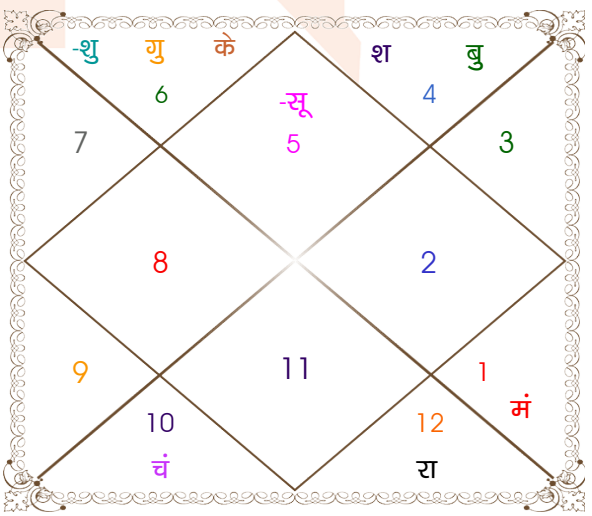

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डतण ।इीपदंअ का वर्ग सिंह है तथा डेण तींपजं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।इीपदंअ और डेण तींपजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।इीपदंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण ।इीपदंअ कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण ।इीपदंअ कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण तींपजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् ।इीपदंअ तथा डेण् तींपजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।